महाकुंभ मेला का आरंभ : इतिहास, महत्व और परंपरा

13 जनवरी,2025 कोडेढ़ माह चलने वाला महाकुंभ मेला प्रयागराज में शुरू हुआ। यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा के तट पर स्नान और पूजा-अर्चना करने के लिए एकत्रित होते हैं। कुंभ मेला हर 12 वर्षों में आयोजित होता है। 45 दिनों के इस आयोजन में एक अनुमान के अनुसार लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना है , जिससे यहाँ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक सम्मलेन का आयोजन किया जायेगा ।

- **पौराणिकता :** कुंभ मेले के बारे में कई मिथक और कहानियां प्रचलित हैं। कुछ इसे वेदों और पुराणों में वर्णित मानते हैं, तो कुछ का कहना है कि यह दो सदियों से पुराना आयोजन है।
- **मान्यताएं:** कुंभ का अर्थ संस्कृत में "घड़ा" है। पौराणिक कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों ने समुद्र मंथन किया, जिससे अमृत कलश लेकर धन्वंतरि प्रकट हुए। अमृत को असुरों से बचाने के लिए इंद्र के पुत्र जयंत इसे लेकर भागे। उनके साथ सूर्य, शनि, बृहस्पति और चंद्रमा ने भी अमृत की रक्षा की। इस दौरान अमृत की कुछ बूंदें चार स्थानों - हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक - पर गिरीं। इसी के स्मरण में कुंभ मेला इन चार स्थानों पर आयोजित किया जाता है।
- **मेले का आयोजन :** कुंभ मेला चार शहरों - हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक - में बारी-बारी से आयोजित होता है। इन सभी स्थानों का संबंध पवित्र नदियों से है।
    - हरिद्वार: गंगा नदी के तट पर।
    - प्रयागराज: गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती के संगम पर।
    - उज्जैन: क्षिप्रा नदी के किनारे।
    - नासिक: गोदावरी नदी के पास।
- **कुंभ मेला का ऐतिहासिक महत्व :** इतिहासकारों के अनुसार, कुंभ मेला की शुरुआत संभवतः 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने की थी, ताकि साधु-संत और विद्वान एकत्र होकर विचार-विमर्श कर सकें। 7वीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने प्रयाग में एक मेले का वर्णन किया है। 12वीं शताब्दी के बाद यह धार्मिक आयोजन स्थिर परंपरा में बदल गया।

चिनाब पुल : दुनिया की सबसे ऊंची रेलवे पुल

6 जून 2025 को प्रधानमंत्री जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बनी दुनिया की सबसे ऊंची रेलवे पुल का लोकार्पण करेंगे।

- **पुल का नाम और स्थान**: चिनाब पुल, जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बनी है।
- **ऊंचाई और लंबाई**: पुल की ऊंचाई नदी तल से 359 मीटर (1,178 फीट) है, कुल लंबाई 1,315 मीटर (4,314 फीट) है, और मुख्य आर्च का स्पैन 467 मीटर है।
- **प्रोजेक्ट का हिस्सा**: यह पुल उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (USBRL) प्रोजेक्ट का प्रमुख हिस्सा है।
- **इंजीनियरिंग चुनौतियां**: इस पुल को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है, ताकि यह सबसे कठिन प्राकृतिक चुनौतियों (भूकंप, उच्च हवा, खड़ी घाटी, जटिल भूविज्ञान) का सामना कर सके ।
- **राष्ट्रीय महत्व**: पुल जम्मू-कश्मीर को भारत की रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है और इसे राष्ट्रीय प्रोजेक्ट घोषित किया गया है।

भारत फोरकास्ट सिस्टम

25 मई, 2025 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने भारत फोरकास्ट सिस्टम (Bharat Forecast System - BFS) का शुभारंभ किया, जिसे पांच महिला वैज्ञानिकों की टीम ने विकसित किया है। यह प्रणाली स्थानीय स्तर (पंचायत स्तर) तक 6 किमी रिज़ॉल्यूशन के साथ मौसम और वर्षा का पूर्वानुमान देने में सक्षम है।

- मॉडल का विकास: BFS का विकास पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) द्वारा किया गया; इसे पांच महिला वैज्ञानिकों ने स्वदेशी रूप से तैयार किया।
- उच्चतम रिज़ॉल्यूशन: यह प्रणाली 6 किमी रिज़ॉल्यूशन के साथ मौसम का पूर्वानुमान देने वाली विश्व की सबसे उच्च-रिज़ॉल्यूशन प्रणाली है।
- उद्देश्य: प्रणाली का उद्देश्य चरम वर्षा की घटनाओं सहित स्थानीय मौसम पूर्वानुमान को सटीक बनाना और ग्राम/पंचायत स्तर तक मौसम की जानकारी पहुंचाना है।
- आर्थिक योगदान: IMD (भारतीय मौसम विभाग) ने हाल के वर्षों में संभावित नुकसान रोककर और संभावित लाभ बढ़ाकर देश की अर्थव्यवस्था को 50,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष योगदान दिया है।
- महिला नेतृत्व: BFS का विकास पूरी तरह महिला वैज्ञानिकों की टीम द्वारा किया गया, जो 'महिला-नेतृत्व विकास' की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र का गठन

19 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश सरकार के आवास एवं शहरी नियोजन विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) की तर्ज पर 'राज्य राजधानी क्षेत्र' (SCR) के गठन की अधिसूचना जारी की।

- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन की देखरेख और नए परिभाषित क्षेत्र के भीतर संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (UP-SCRDA) की स्थापना को भी मंजूरी दी।
- अधिसूचना के अनुसार SCR में कुल 6 जिलों के 27,826 वर्ग किमी क्षेत्र को शामिल किया जाएगा।
- इसमें लखनऊ के 2528 वर्ग किमी, हरदोई के 5986 वर्ग किमी, सीतापुर के 5743 वर्ग किमी, उन्नाव के 4558 वर्ग किमी, रायबरेली के 4609 वर्ग किमी और बाराबंकी के 4402 वर्ग किमी क्षेत्र का अधिग्रहण किया जाएगा।
- UP-SCRDA की अध्यक्षता मुख्यमंत्री द्वारा की जाएगी एवं प्रदेश के मुख्य सचिव इसके उपाध्यक्ष होंगे।

  अपर मुख्य सचिव आवास एवं शहरी नियोजन, लखनऊ और अयोध्या के मंडलायुक्त, सभी संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, लखनऊ, उन्नाव-शुक्लागंज और रायबरेली विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी इसके सदस्य होंगे।

  मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सितंबर 2022 में इस परियोजना की शुरुआत की थी।